राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

विद्यापरिषद् द्वारा अधिमान्य पाठ्यक्रम

सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, एडवांस डिप्लोमा

एक वर्षीय पाठ्यक्रम
(सत्र 2021-22 से लागू)

विद्यापरिषद् के सदस्यों के नाम एवं हस्ताक्षर

सदस्यों के नाम	हस्ताक्षर
1. प्रो. (पं.) साहित्य कुमार नाहर (मा. कुलपति)	
2. डॉ. कृष्णकांत शर्मा (कुलसचिव, रा.मा.तो.वि.वि.)	
3. डॉ. रंजना टोणपे (संयोजक, अध्ययन मंडल)	Ranjana
4. डॉ. नवदीप कौर (बाह्य विशेषज्ञ)	
5. श्री अशोक आनंद (बाह्य विशेषज्ञ)	
6. डॉ. हिमांशु द्विवेदी (सदस्य)	
7.	

[2017 से निरंतर] Syllbus: CPA, DPA, ADPA

Raja Mansingh Tomar Music & Arts University, Gwalior (M.P.)

मार्किंग स्कीम

One year Certificate Courses

2017 से निरन्तर

Junior Certificate in Performing art (J.C.P.A.)

Paper	Subject- Drama & Theatre	Max	Min
	Theory-1 General Study of Drama & Theatre	50	17
	Practical- 1 Acting	50	17
	Practical- 2 Craft	50	17
	Grand Toatal	150	51

Certificate in Performing art (C.P.A.)

Paper	Subject- Drama & Theatre	Max	Min
	Theory-1 General Study of Drama & Theatre	100	33
	Practical- Dimonstration & Viva (Yoga/Acting/ Theatre Music)	100	33
	Grand Toatal	200	66

Diploma in Performing art (D.P.A.)

Paper	Subject- Drama & Theatre	Max	Min
	Theory-1-Study of Theatre	100	33
	Practical- Dimonstration & Viva (Body ovement/Acting/Theatre Music)	100	33
	Grand Toatal	200	66

Advance Diploma in Performing art (A.D.P.A.)

Paper	Subject- Drama & Theatre	Max	Min
	Theory-1-Natya Sidhhant	100	33
	Theory-2-Design /Theatre Technics	100	33
	Practical-1 Demonstration & Viva- Acting/Body Movement/Theatre Music	100	33
	Practical- 2 Scenic Design & Craft	100	33
	Grand Toatal	400	132

One year PG Diploma in Perfomg Arts

Rejected

H.O.D.
(Incharge)

(2)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय (स्कूल लेवल)

एक वर्षीय जूनियर सर्टिफिकेट कोर्स

सैद्धांतिकः–

पूर्णांक–50

इकाई–1 (i) रंगमंच और नाटक का सामान्य परिचय।
(ii) हिन्दी रंगमंच की सामान्य जानकारी।

इकाई–2 (i) बाल नाटकों का अध्ययन सामान्य जानकारी।
(ii) गायन, वादन, नृत्य की सामान्य जानकारी।

इकाई–3 (i) प्रमुख भारतीय नाट्यकारों व निर्देशकों की सामान्य जानकारी।
(ii) टेलीविजन एवं रेडियो की सामान्य जानकारी।

इकाई–4 (i) डिजाइन (विन्यास) रंग और रेखाओं की सामान्य जानकारी।
(ii) अभिनय की परिभाषा एवं सामान्य जानकारी।

इकाई–5 (i) नाट्य के प्रमुख संस्थाओं की जानकारी।
(ii) बुन्देली लोक नाट्य की सामान्य जानकारी।

संदर्भ ग्रंथ–

1. दृश्य विन्यास, रवि चतुर्वेदी
2. मंचालोकन, जी.एन. दास गुप्ता
3. रंगमंच शेल्डॉन चैनी
4. Play Production- Miltons Smith
5. भारतीय लोक नाट्य स्वांग (बुन्देलखण्ड के विशेष सन्दर्भ में) डॉ. हिमांशु द्विवेदी अरूण पब्लिशिंग हाउस, चण्डीगढ़
6. पत्रिकाऐंः– रंग प्रसंग, नटरंग, कलावसुधा, चौमासा आदि पत्रिकाओं का अध्ययन।
7. ग्यारह नाट्य संग्रह, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, एंके पब्लिशर एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर, चण्डीगढ़।

Rajantury

(3)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय जूनियर सर्टिफिकेट कोर्स

प्रायोगिक प्रथमः– अभिनय

पूर्णांक–50

1 योग–अभ्यास।

2 बॉडी मूवमेंट।

3 अभिनय एवं आशु अभिनय।

4 वॉइस एण्ड स्पीच।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय जूनियर सर्टिफिकेट कोर्स

प्रायोगिक द्वितीयः– काफ्ट पूर्णांक–50

1 मंच विन्यास
2 प्रोजेक्ट फाइल
3 मास्क मेंकिग
4 प्रोपर्टी मेकिंग

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स

पाठ्यक्रम–

पूर्णांक–100

इकाई–1	(i)	नाटक की परिभाषा व प्रकार का अध्ययन।
	(ii)	भारतीय कलाएं नृत्य, संगीत, साहित्य, चित्रकला आदि की सामान्य जानकारी एवं उनका रंगमंच के साथ संबंध।
इकाई–2	(i)	नाट्य शास्त्र का संक्षिप्त अध्ययन एवं नाट्य उत्पत्ति संबंधी अवधारणा।
	(ii)	अभिनय की परिभाषा एवं प्रकार का अध्ययन।
इकाई–3	(i)	आधुनिक हिन्दी रंगमंच का अध्ययन।
	(ii)	प्रमुख हिन्दी नाटक लेखकों का व्यक्तित्व व कृतित्व का अध्ययन।
इकाई–4	(i)	भारत के प्रमुख नाट्य निर्देशकों का व्यक्तित्व व उनके कार्यों का अध्ययन।
	(ii)	भारत के प्रमुख नाट्य संस्थाओं, रंग महोत्सवों का सामान्य परिचय।
इकाई–5	(i)	लोक रंगमंच की सामान्य जानकारी।
	(ii)	प्रमुख भारतीय नाटकों का अध्ययन, मध्यम व्यायोग, मृच्छकटिकम, अभिज्ञान शाकुन्तलम, अंधेर नगरी, स्कंद गुप्त, कोर्णाक।

संदर्भ ग्रंथ–

1. नाट्यशास्त्र का इतिहास– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. हिंदी दशरूपक– डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन, सहित्य निकेतन, कानपुर
3. भारतीय नाट्य परम्परा और अभिनय दर्पण–वाचस्पति गैरोला, चौखम्भा संस्थान, वाराणसी
4. परम्पराशील नाट्य–जगदीशचंद्र माथुर, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना।
5. हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास – विश्वनाथ मिश्र, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बल्देव उपाध्याय, शारदा मंदिर, काशी।
7. संस्कृत नाटक– कालिदास के नाटक, भास के नाटक, हरिशचन्द्र के नाटक, जयशंकर प्रसाद के नाटक।
8. ग्यारह नाट्य संग्रह (प्रदर्शनकारी कलाओं नृत्य/नाट्य/रंगमंच में) यू.जी.सी., नेट, जे.आर.एफ., डॉ. हिमांशु द्विवेदी, एन्के पब्लिकेशन और डिस्ट्रीब्यूटर, चण्डीगढ़
9. भारतीय लोक नाट्य स्वांग (बुन्देलखण्ड के सन्दर्भ में) डॉ. हिमांशु द्विवेदी, अरूण पब्लिकेशन, चण्डीगढ़।
10. पत्रिकाऐं:– रंग प्रसंग, नटरंग, कलावसुधा, चौमासा आदि पत्रिकाओं का अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय सर्टिफिकेट कोर्स

प्रायोगिकः– पूर्णांक 100

1 योग–अभ्यास, बॉडी मूवमेंट।

2 अभिनय एवं आशु अभिनय।

3 वॉइस एण्ड स्पीच।

4 रंग संगीत।

5 मंच प्रदर्शन एवं वायवा।

6 सीन वर्क अथवा नाट्य प्रस्तुति।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स

सैद्धांतिकः–

पूर्णांक–100

इकाई–1 (i) नाट्य शास्त्र के 36 अध्यायों का सामान्य अध्ययन तथा नाटक संग्रह के 11 अंगों का अध्ययन।

(ii) रस भाव की परिभाषा तथा उसके

इकाई–2 (i) प्रमुख संस्कृत नाटककारों, भास, कालिदास, शुद्रक, भवभूति के व्यक्तित्व व कृतित्व का अध्ययन।

(ii) संस्कृत नाटकों का उद्भव एवं विकास तथा कुछ संस्कृत नाटकों का अध्ययन स्वप्नवासदत्तम्, उत्तर रामचरित, मालविकाअग्निमित्रम का पठन।

इकाई–3 (i) भारतेन्दु युगीन नाटकों का सामान्य अध्ययन।

(ii) जयशंकर प्रसाद युगीन नाटकों का सामान्य अध्ययन।

इकाई–4 (i) नाट्य उत्पत्ति की पाश्चात्य अवधारणा।

(ii) ग्रीक रोमन, एलिजाबेथन, रंगमंच की सामान्य जानकारी।

इकाई–5 (i) प्रमुख भारतीय नाटक, आधे अधूरे, अंधा युग, हयवदन, सखाराम बाइंडर, पगला घोडा का अध्ययन एवं विश्लेषण।

(ii) प्रमुख पाश्चात्य नाटक इडिपस, हैमलेट, चेरी का बगीचा, गुडिया घर का पाठ एवं विश्लेषण।

संदर्भ ग्रंथ–

1. नाट्यशास्त्र, बाबूलाल शास्त्री, चौखम्बा संस्थान, वाराणसी।
2. दशरूपक (धनंजय कृत), डॉ. गोविन्द त्रिगुणायन, शारदा मंदिर काशी।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास, बल्देव उपाध्याय, शारदा मंदिर, काशी।
4. हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास, विश्वनाथ मिश्रा, ऊषा पब्लिशिंग हाउस, जोधपुर।
5. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच, पं. सीताराम चतुर्वेदी, हिन्दी समिति, उत्तर प्रदेश।
6. रंगमंच नया परिदृश्य, रीतारानी पालीवाल, वणी प्रकाशन।
7. नाटक– मोहन राकेश, गिरीश कर्नाड, बादल सरकार, जयशंकर प्रसाद, धर्मवीर भारती के नाटक।
8. पश्चिमी नाटक– इडिपस, हेमलेट, चेरी का बगीचा, गुड़ियाघर आदि।
9. ग्यारह नाट्य संग्रह (प्रदर्शनकारी कलाओं नृत्य/नाट्य/रंगमंच में) यू.जी.सी., नेट, जे.आर.एफ., डॉ. हिमांशु द्विवेदी, एन्के पब्लिकेशन और डिस्ट्रीब्यूटर, चण्डीगढ़
10. पत्रिकाऐं:– रंग प्रसंग, नटरंग, कलावसुधा, चौमासा आदि पत्रिकाओं का अध्ययन।

(8)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय डिप्लोमा कोर्स

प्रायोगिकः–

पूर्णांक 100

1 योग–अभ्यास।

2 बॉडी एण्ड डांस मूवमेंट।

3 अभिनय एवं आशु अभिनय।

4 वॉइस एण्ड स्पीच।

5 रंग संगीत।

6 मंच प्रदर्शन एवं वायवा।

7 सीन वर्क अथवा नाट्य प्रस्तुति।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा कोर्स

सैद्धांतिक

प्रथम प्रश्न–पत्र– नाट्य सिद्धांत

पूर्णांक–100

इकाई–1 (i) भरत का अभिनय सिद्धांत।

(ii) अरस्तू के विरेचन का सिद्धांत।

इकाई–2 (i) रस एवं भाव का विस्तार से अध्ययन।

(ii) भारतीय रंगमण्डप एवं पाश्चात्य रंगमण्डप का अध्ययन।

इकाई–3 (i) स्टैनिस्लाविस्की का अभिनय सिद्धांत।

(ii) ब्रेख्त का नाट्य सिद्धांत।

इकाई–4 (i) एब्सर्ड थियेटर, फिजिकल थियेटर एवं पूअर थियेटर का अध्ययन।

(ii) थर्ड थियेटर, थियेटर ऑफ क्रुअलिटी का अध्ययन।

इकाई–5 (i) नुक्कड एवं लोक रंगमंच का अध्ययन।

(ii) कहानी के रंगमंच का अध्ययन।

संदर्भ सूची–

1. नाट्यशास्त्र, बाबूलाल शास्त्री, चौखम्बा संस्थान, वाराणसी।
2. ग्रीक नाट्य कला कोश, कमल नसीम, रा.ना.वि. प्रकाशन।
3. दशरूपक, डॉ. गोविन्द त्रिगुण्यन, साहित्य निकेतन, कानपुर।
4. रंगस्थापत्य, एच.बी. शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. अभिनेता की तैयारी, डॉ. विश्वनाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. चरित्र की रचना प्रक्रिया, डॉ. विश्वनाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
7. भूमिका की संरचना, डॉ. विश्वनाथ मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
8. रंगमंच के सिद्धांत, महेश आनंद, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
9. कहानी का रंगमंच, महेश आनंद, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
10. भारतीय लोक नाट्य स्वांग (बुन्देलखण्ड के विशेष सन्दर्भ में) डॉ. हिमांशु द्विवेदी अरूण पब्लिशिंग हाउस, चण्डीगढ़
11. ग्यारह नाट्य संग्रह (प्रदर्शनकारी कलाओं नृत्य/नाट्य/रंगमंच में) यू.जी.सी., नेट, जे.आर.एफ., डॉ. हिमांशु द्विवेदी, एन्के पब्लिकेशन और डिस्ट्रीब्यूटर, चण्डीगढ़
12. पत्रिकाऐं:– रंग प्रसंग, नटरंग, कलावसुधा, चौमासा आदि पत्रिकाओं का अध्ययन।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा कोर्स

सैद्धांतिक

पूर्णांक–100

द्वितीय प्रश्न–पत्र– रंग तकनीक

इकाई–1 (i) नाट्य शास्त्र के अनुसार रंगमंडपों का सचित्र अध्ययन।
(ii) ग्रीक, रोमन, ग्लोब, प्रोसनियम रंगमंडप की सचित्र अध्ययन।

इकाई–2 (i) रंगम में विन्यास की भूमिका व प्रकार का महत्व।
(ii) दृश्य निर्माण सेट निर्माण का परिचयात्मक अध्ययन।

इकाई–3 (i) प्रकाश परिकल्पना के तत्व व लाइट्स के प्रकार।
(ii) मेकअप का महत्व, प्रकिया, विधि व उसके प्रकार।

इकाई–4 (i) रंगसंगीत व उसकी भूमिका महत्व का अध्ययन।
(ii) थियेटर आर्किटेक्चर का प्रारंभ एवं उसका विकास।

इकाई–5 (i) प्रमुख भारतीय नाटक डिजाइनरों के व्यक्तित्व का सामान्य परिचय।
(ii) वर्तमान समय में रंग तकनीक के प्रयोग एवं महत्व का अध्ययन।

संदर्भ सूची –

1. दृश्य विन्यास, रवि चतुर्वेदी
2. मंचालोकन, जी.एन. दास गुप्ता
3. रंगमंच शेल्डॉन चैनी
4. Play Production- Miltons Smith

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा कोर्स

प्रायोगिक प्रथमः– (अभिनय प्रायोगिक)

पूर्णांक–100

1 योग–अभ्यास।

2 बॉडी एण्ड डांस मूवमेंट।

3 अभिनय एवं आशु अभिनय।

4 वॉइस एण्ड स्पीच।

5 रंग संगीत।

6 सीन वर्क / नाट्य प्रस्तुति

Rejaicury

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर

नाट्य एवं रंगमंच संकाय

एक वर्षीय एडवांस डिप्लोमा कोर्स

प्रायोगिक द्वितीयः– (दृश्य विन्यास और क्राफ्ट) पूर्णांक–100

1. मंच विन्यास
2. प्रोजेक्ट फाइल (Line/Colour/Texture etc.)
3. मास्क मेकिंग
4. प्रोपर्टी मेकिंग

13